धान–सरसों–मूँग

उन्नत फसल प्रणाली - 2

कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना निदेशालय
मोदीपुरम, मेरठ–250110, उ0 प्र0

जून के दूसरे सप्ताह से अक्टूबर का प्रथम सप्ताह

धान

उन्नत प्रजातियाँ :– साकेत–1, साकेत–4, नेरेन्द्र–1, पी.आर.एच.–10 एव् हाईब्रिड–986

रोपाई :– नर्सरी डालने के 22–25 दिन बाद 2–3 पौधे/हिल

लाईन से लाईन की दूरी :– 20 सें.मी.

पौधे से पौधे की दूरी :– 10 सें.मी.

खाद एवं उर्वरक :– नाईटोजन–100, फास्फोरस–60 एवं पोटाश–40 कि.ग्रा./हे0

खरपतवार नियत्रंण

(i) रोपाई के 48 घंटे के अन्दर ब्यूटाक्लोर 1.5 लीटर को 800 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव या बालू में मिला कर प्रयोग करें या आलमिक्स 20 कि.ग्रा./हे0 फसल में डालें।

कीट नियंत्रण :– फुदके, मिलीवग, गन्दी कीट एवं सूडी की रोकथाम के लिये मैलाथियान 50 प्रतिशत 1.5 ली0/हे0 800 ली0 पानी में घोलकर छिडकाव करें।

बीमारियाँ

1. थाईरम, कार्बोन्डाजिम 50 डब्लू.पी. से 2.5 ग्राम/कि.ग्रा. बीज को उपचारित करके बोये।

2. **खैरा रोग**:– जिंक सल्फेट 5 कि.ग्रा. को 20 किलो यूरिया तथा 2. 5 कि.ग्रा. बुझा हुआ चुने को 500 ली0 पानी में मिलाकर प्रति हे0 की दर से रोपाई के 15–20 दिन के अन्दर छिडकाव करें।

अक्टूबर के दूसरे सप्ताह से मार्च का अन्तिम सप्ताह

सरसों

उन्नत प्रजाति :– पूसा बोल्ड, क्रान्ति, रोहणी, वरुणा, वरदान एव् उर्वसी

लाईन से लाईन की दूरी :– 45–60 सें.मी.

पौधे से पौधे की दूरी :– 15–20 सें.मी.

खाद एवं उर्वरक :– गोबर की खाद 10–12 टन/हे0, नाइट्रोजन–80–120, फास्फोरस–60, पोटाश–40 एव् गन्धक–30 कि.ग्रा./हे0

खरपतवार नियन्त्रण :–

खरपतवारों को खुरपी से निराई कर नियत्रित करें।

बीमारियाँ एवं उपचार :–

1. **झुलसा रोग एवं सफेद गेरूई** :– डाइथेन–एम 45 (2 ग्राम/किलो) से बीज को उपचारित करें।

कीट एवं उपचार :–

(1) **एफिड**– रोगोर 30 ई.सी./एन्डोसल्फान 35 ई.सी/मैलाथियान 50 ई.सी. का 0.5 प्रतिशत घोल का छिड़काव करना चाहिए।

अप्रैल के प्रथम सप्ताह से जून का दूसरा सप्ताह

मूँग

उन्नत प्रजाति :– एस.एम.एल.–668, टाइप–44, पन्त मूँग–2 एव् पूसा बिसाल

बीज की मात्रा :– 20 कि.ग्रा./हे0

लाईन से लाईन से दूरी :– 45 सें.मी.

खाद एवं उर्वरक :– 10–15 टन गोबर की खाद, नाईटोजन–20–40 एव् फास्फोरस–40–60 कि.ग्रा./हे0

सिचाई :– 3 से 4

खरपतवार नियत्रण :–

1. प्रथम निराई 20–25 दिन

2.दूसरी निराई–40–45 दिन

बीमारियाँ :–

1. पीला मोजेक :– मैटासिस्टोक्स (0.1%), मैलाथिओन (0.1%) का छिडकाव करे।

2. लीफ कर्ल :– मैटासिस्टोक्स (0.1 प्रतिशत) का छिडकाव करना चाहिए।

कीट नियत्रण :–

1. हैयरी कैटरपीलर :– एन्डोसल्फान 30 ई.सी. 1.5 ली0 का 1000 ली0 पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

2. लीफ होपर :– मोनाक्रोटोफोस 40 ई.सी./एन्डोसल्फान 30 ई.सी. 1.5 ली0 का छिड़काव करें।

क्र0 सं0	फसल	औसतन लागत (रुपये)	औसतन कुल आमंदनी (रुपये)	औसतन शुद्व लाभ (रुपये)
1.	धान	24000	60400	36400
2.	सरसों	13500	42500	29000
3.	मूँग	14500	45750	31250
	कुल	**52000**	**148650**	**96650**

औसतन आर्थिक लाभ प्रति दिन/हे0 :– 264 रूपये

मुख्य बिन्दू :–

1. फसल को समय से बोयें।
2. बीजो को उपचारित करके बोयें।
3. उन्नत किस्म का बीज बोयें।
4. अन्य वैज्ञानिक तकनिकी अपनायें।
5. समन्वित पोषण एव् कीट प्रवन्धन अपनायें।
6. समय पर फसल की कटाई करें तथा समय से मूँग की फसल अबशेष को भूमि में मिलायें।

विवरण

एम.पी. सिंह
एव्
पी.पी. मिश्रा

प्रकाशक

ड़ा. बी. गंगवार,
परियोजना निदेशक
कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना निदेशालय
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)
मोदीपुरम, मेरठ–250 110 (यू.पी.), भारत
दूरभाष : 0121-288 8571, 295 6309; Fax : 0121-288 8546
ई–मेल : director@pdfsr.ernet.in, directorpdfsr@yahoo.com

मुद्रक: युगान्तर प्रकाशन (प्रा.) लि., मायापुरी, नई दिल्ली–110064